A-0219

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MASL–501

M.A. SANSKRIT (MASL)

(वेद एवं निरूक्त भाग-01)

1st Semester Examination, Session December 2024

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अधोलिखित किन्हीं **दो** मन्त्रों की अनुवाद सहित व्याख्या कीजिए–

(क) विश्वम्भरा वसुधानी प्रतिष्ठा हिरण्यवक्षा जगतो निवेशनी।

वैश्वानरं बिभ्रती भूमिरग्निमिन्द्र ऋषभा द्रविणे नो दधातु॥

(ख) हिरण्यगर्भः समवर्त्तताग्रे भूतस्य जातः पतिरेक आसीत्।

सदाधारपृथिवीं द्यामुतेकां कस्मै देवाय हविषा विधेम॥

(ग) अभिवृत्य सपत्नानभि या नो अरातयः।

अभिपृतन्यत तिष्ठाभि यो नो दुरस्यति॥

2. ऋग्वेद के अनुसार इन्द्र के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

3. पृथिवी सूक्त के अनुसार पृथिवी की उत्पत्ति का वर्णन कीजिए।

4. राष्ट्राभिवर्धन सूक्त के महत्व पर प्रकाश डालिए।

5. मन्त्रार्थज्ञान में व्याकरण तथा निरुक्त के महत्व पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. वेदाङ्गों में निरुक्त का महत्व बताइए।

2. नाम एवं आख्यात का स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

3. समानस्यम् का अर्थ बताते हुए सूक्त का दार्शनिक महत्व बताइए।

4. नासदीय सूक्त के अनुसार काम की उत्पत्ति कैसे हुई ?

5. पृथ्वी सूक्त के प्रथम मन्त्र की व्याख्या कीजिए।

6. निपात किसे कहते हैं ?

7. परोक्षवृति किसे कहते हैं ?

8. यौगिकशब्द किसे कहते हैं ?

****